भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 4324
उत्तर दिनांक 02/04/2026 को दिया गया

एनटीपीसी के समझौते

4324. श्री येरम वेंकट सुब्बा रेड्डी

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) गोपनीयता समझौतों (एनडीए) का ब्यौरा क्या है और उनके उद्देश्य एवं लक्ष्य क्या हैं;

(ख) क्या एनटीपीसी ने देश में बड़े, दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए सहयोग की संभावनाओं पर विचार करने हेतु रूस की रोसाटॉम और फ्रांस की ईडीएफ के साथ एनडीए पर हस्ताक्षर किए हैं;

(ग) क्या ये समझौते परमाणु परियोजनाओं के संपूर्ण जीवनचक्र को कवर करते हैं, अर्थात् अवधारणा से लेकर चालू होने तक;

(घ) सरकार यह कैसे सुनिश्चित करेगी कि परियोजनाएं स्वदेशी हों;

(ङ) एनटीपीसी द्वारा निर्धारित लक्षित क्षमता का ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा निर्धारित 100 गीगावाट रोडमैप में इसकी हिस्सेदारी कितनी है; और

(च) क्या एनटीपीसी और एनसीपीआईएल के बीच कोई संयुक्त उद्यम (जेवी) है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) गोपनीयता समझौता (एनडीए) संबंधित पक्षों के बीच जानकारी (जो गोपनीय हो भी सकती है और नहीं भी) के आदान-प्रदान का एक तंत्र है।

(ख) हां। एनटीपीसी लिमिटेड ने रूस के रोसाटॉम और फ्रांस के ईडीएफ के साथ बड़े, दाबित पानी रिएक्टर परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए सहयोग की संभावनाओं पर विचार करने हेतु गोपनीयता समझौते (एनडीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ग) नहीं। गोपनीयता समझौता (एनडीए) किसी विशिष्ट परियोजना से संबंधित नहीं होता, बल्कि यह केवल एक निश्चित अवधि के लिए सूचना के आदान-प्रदान के लिए होता है।

(घ) आत्म-निर्भरता को प्रोत्साहित करने और दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा को सतत तरीके से सुनिश्चित करने के लिए एक स्वदेशी त्रि-चरणीय नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। भारत के पास मजबूत स्वदेशी प्रौद्योगिकीय क्षमता उपलब्ध है। देश की मौजूदा नाभिकीय विद्युत क्षमता 8780 मेगावाट में से 75% से अधिक हिस्सा, स्वदेशी रूप से विकसित पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी का है।

(ङ) एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा भारत सरकार द्वारा निर्धारित कुल 100 गीगावाट की कार्ययोजना में से 30 गीगावाट नाभिकीय क्षमता जोड़ने की संभावना है।

(च) हां। सरकार ने दिनांक 11 सितंबर, 2024 को अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (अश्विनी), जो एनपीसीआईएल (51%) और एनटीपीसी लिमिटेड (49%) का संयुक्त उद्यम (जेवी) है, को मौजूदा विधिक ढांचे के अंतर्गत एनपीसीआईएल की सहायक कंपनी के रूप में नाभिकीय विद्युत उत्पादन एवं संबंधित गतिविधियां संचालित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अश्विनी द्वारा माही बांसवाड़ा 1 से 4 (4X700 मेगावाट) परियोजना के क्रियान्वयन को भी अनुमोदित किया है।

*****